मोहयाल मित्र

■ *संपादकीय*

युवाओं का आह्वान

■ **अशोक लव**

वर्तमान संसदीय चुनावों में युवाओं की भूमिका ने अहम् भूमिका निभाई है, यह इस बात का प्रमाण है कि यदि उनका उचित मार्गदर्शन किया जाए वे समाज के स्वरूप को बदल सकते हैं। युवा प्रत्येक समाज की ऊर्जा होते हैं, उनकी ऊर्जा का सदुपयोग करने के लिए उनका उचित पथ–प्रदर्शन आवश्यक होता है, यदि ऐसा न किया जाए तो यह शक्ति बेकार हो सकती है। ऐसी शक्तियाँ जो नकारात्मक हैं, उन्हें सकारात्मक कार्यों से विमुख भी कर सकती हैं, इस दिशा में माता–पिता, परिवारजन और उनके मित्रों की भूमिका अहम् होती हैं।

समाज–सेवा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए युवाओं में संस्कार उनके परिवेश से आते हैं। इस परिवेश में उनका परिवार, शिक्षण–संस्थाएँ, और मित्रगण होते हैं। मोहयाल परिवारों में उनके पूर्वजों के संस्कार पीढ़ी–दर–पीढ़ी चले आ रहे हैं। यही कारण है कि सामाजिक परिवर्तनों के बावजूद मोहयाल अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं, आज भी बच्चों और युवाओं में इन संस्कारों को देखा जा सकता है। मार्च माह में जीएमएस द्वारा आयोजित यूथ–कैंप में आए युवाओं इन संस्कारों को सबने महसूस किया था। उनमें अपार उत्साह था, अपनत्व की भावना थी, बड़ों के प्रति सम्मान का भाव था, मोहयाल समाज के लिए कार्य करने की इच्छा थी। उनकी इस ऊर्जा का सदुपयोग आवश्यक है। वे स्थानीय सभाओं के माध्यम से, जीएमएस के माध्यम से और अपने परिवारों–मित्रों के माध्यम से एकजुट होकर अपने समाज की भलाई और सेवा के कार्यों में लग जाएँ।

समाज–सेवा के क्षेत्र व्यापक हैं, मोहयाल देश भर में बसे हुए हैं, अनेक आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं, अनेक अपने बच्चों को धन के आभाव में शिक्षित नहीं कर पा रहे हैं। अनेक धन के आभाव में घर–परिवार का गुजारा नहीं चला पा रहे हैं, अनेक बीमारियों का इलाज नहीं करा पा रहे हैं, समस्याएँ बहुत हैं। उन मोहयालों तक पहुँचना आवश्यक है। ऐसा युवा ही कर सकते हैं, इसके लिए जीएमएस अधिक से अधिक सहयोग करती आ रही है और करने के लिए तत्पर है। जी.एम.एस. अध्यक्ष मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली ने यूथ–कैंप वृंदावन में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने की दिशा में नई पहल की है। आर्थिक रूप से कमज़ोर विद्यार्थियों को सुशिक्षित करने के लिए उन्होंने जीएमएस की ओर से **'एक मोहयाल विद्यार्थी को अपनाएँ'** योजना शुरू की है, इसमें कोई भी एक बार ग्यारह हज़ार रुपए देकर एक विद्यार्थी की शिक्षा के लिए योगदान कर सकेगा। इसके लिए युवा उन विद्यार्थियों की पहचान कर सकते हैं जिन्हें शिक्षा के आर्थिक सहयोग सहयोग की ज़रूरत है। अपने समाज की सेवा के लिए यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। वे इसी प्रकार के अनेक कार्य स्थानीय सभाओं के माध्यम से कर सकते हैं।

युवाओं का मोहयाल–समाज की सेवा करने के लिए आगे आना आवश्यक है। स्थानीय सभाओं के पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों के समर्पित भाव से कार्य करने वाले युवाओं को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करते रहे हैं। उन्हें अब और अधिक सक्रिय होकर युवाओं को कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

हम भारत के इतिहास पर नज़र डालें तो हमें पता चलता है कि प्रत्येक युग में युवाओं ने ही समाज में परिवर्तनों के लिए अहम् भूमिका निभाई है। रानी लक्ष्मी बाई हो या सरदार भगत सिंह हो, स्वामी विवेकानंद हों या स्वामी दयानंद हों सबने अपनी युवावस्था में ही समाज के हित के लिए कार्य किए थे। जी.एम.एस. और स्थानीय सभाओं के अनेक सक्रिय सदस्य और पदाधिकारी युवावस्था से मोहयाल–समाज की सेवा कर रहे हैं। यह क्रम जारी रहना चाहिए।

दसवीं और बारहवीं कक्षा में सफल हुए सभी मोहयाल विद्यार्थियों को बधाई! उन्हें भी अब मोहयाल–समाज के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। उन मोहयाल युवाओं को भी आगे आना चाहिए जिन्हें जी.एम.एस. द्वारा **'प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान'** प्रदान किया गया था।

जय मोहयाल!

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अमर शहीद भाई बालमुकन्द (छिब्बर) को भावभीनी श्रद्धांजलि

■ **हरिओम मेहता छिब्बर**

प्रत्येक वर्ष की भाँति 8 मई, 2014 को दिल्ली सरकार द्वारा मातृभूमि के लिए हुए शहीदों की स्मृति में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली के प्रागंण में बने शहीद स्मारक स्थल जो कभी

ब्रिटिश राज में पुरानी दिल्ली जेल का फाँसी घर था, जहाँ देश की स्वतन्त्रता के लिए हुए शहीद भाई बालमुकन्द, अमीर चन्द एव अवध बिहारी को 8 मई, 1915 के दिन फाँसी दी गई थी, श्रद्धांजलि समारोह मनाया गया। शहीदों को दिल्ली के महामहिम उप–राज्यपाल माननीय श्री नजीब जंग मुख्य–अतिथि, स्वतन्त्रता सेनानी, गणमान्य श्रद्धालुओं (अतिथियों) ने लगभग 40–50 की संख्या के स्वतन्त्रता सेना रूपी स्त्री पुरूषों एवं युवाओं के समूह के भारत माता की जय भारत के लाल भाई बालमुकन्द, अमीर चन्द, अवध बिहारी, और बसन्त कुमार विश्वास अमर रहे के उद्घोषों के बीच–अमर शहीदों के चित्रों पर पुष्प चक्र एवं पुष्पों द्वारा भक्ति गायन के चलते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर शहीदी दिवस समारोह स्थल पर भाई बालमुकन्द एवं अन्य शहीदों को उपस्थित मोहयालों श्री सुशील कुमार छिब्बर, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, श्री हरिओम मेहता छिब्बर, श्री सुखदेव लौ, श्री के.जी. मोहन एवं श्री सुरेश कुमार मेहता ने भी पुष्प चढ़ा कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में वयोवृद्ध स्वतंत्रता सैनानी श्री डी.एन. तारा छिब्बर जी भी श्रद्धांजलि देने आए। समारोह आयोजकों को जब से बताया गया कि भाई बालमुकन्द जी के मोहयाल वशंज श्रद्धांजलि देने हेतु आए हैं तो आयोजकों ने सभी को बड़े आदर एवं सम्मान के साथ गणमान्य अतिथियों की पंक्ति में बैठने का स्थान प्रदान किया।

देश के लिए दिया सर्वोच्च बलिदान,
न्योछावर कर दी अपनी जान,
ऐसे देश भक्त शहीदों को, सादर प्रणाम!
ऐ वतन, ऐ वतन–ये तेरा वतन, ये मेरा वतन
–वतन के लिए जाँ कुर्बान–

मेण्ढर पून्छ में परशूराम जयंती

1. भगवान परशूराम जयंती
2. बावा वीरमशाह जी दत्त जयंती
3. वंदा वीर वैरागी छिब्बर जयंती

संयोग वश पहली मई 2014 को तीन महान मोहयालों जयंती एक साथ पड़ गई। यहाँ मेण्ढर अडी पून्छ में महान विभूतियों के जन्मदिन के उपलक्ष में 25 अप्रैल को देवी भागवत का पाठ पं. चन्द्र प्रकाश जी शर्मा ने आरम्भ किया गया। इसके साथ दो घंटे रोज़ाना हरे राम कीर्तन का आयोजन भी किया गया। 30 अप्रैल को हवन सामूहिक रूप से रखा गया और सब नर–नारियों ने पूर्णाहूति में भाग लिया। बावा के जन्म दिन के उपलक्ष में कढ़ा प्रसाद बाँटा गया और बावा जी के चित्र पर सबने माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया।

पहली मई को महान शहीद बावा बंदा बैरागी छिब्बर की मूर्ति रख कर महान शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस वीर मोहयाल ने पुरानी दिल्ली में 740 हिन्दु सिखों के साथ महान बलिदान किया था। श्री गुरू गोविन्द सिंह जी के हत्यारों को इसी वीर ने मारा था। यह वीर मेण्ढर के धरती का छिब्बर वंश का सपूत था। गुरू भाई वेद व्यास दत्त ने सब समाज की वीर की जीवनी और कुर्बानी की याद दिलाई। इस महान शहीद को पहली मई जन्मदिन पर श्रद्धांजलि दी गई।

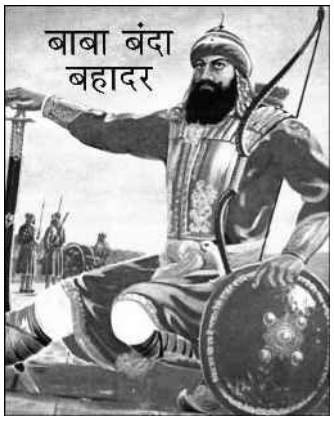

पहली मई को श्री परशूराम जयंती थी। गुरू महाराज ने अपनी खर्च पर तीन विभूतियों के चित्र रख कर आरती उतारी गई, और भृग गोत्र श्री केवल राम सासन से भगवान की मूर्ति का अनावरण किया गया। गुरू जी ने भगवान परशुराम जी की पूरी जन्म कहानी दो घंटे लगाकर लोगों को सुनाई, और किस प्रकार भारत वर्ष में प्रति वर्ष विष्णु अवतार का जन्म दिन मनाया जाता था। इस अवसर पर श्री सुखराज जी दत्ता जम्मू निवासी की भगवान परशुराम भक्ति की कहानी भी गुरू जी ने सुनाई जम्मू प्रांत में यही भक्त थे, जिन्होंने यहाँ यह पूजा आरम्भ की इस महान मोहयाल को भी श्रद्धांजलि दी गई।

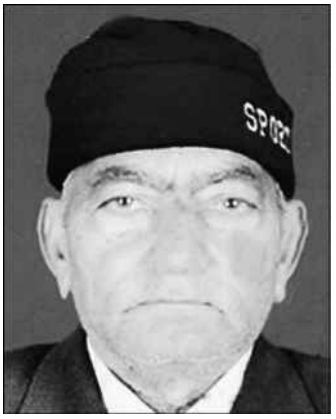

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गुरू जी ने दो घंटे के भाषण में ब्राह्मण वंश पर करूर क्षत्री वर्ग की कहानी। इनके पिता का सहक्षत वह ने कैसे वध किया और अस कुल दोहो की किस प्रकार परशुराम जी ने वध किया। आज के ब्राह्मण और विशेष कर मोहयाल वंश की नीव रखने वाले पररशुराम ही तो थे।

(1) विशेष ब्राह्मण वर्ग को छोड़ दान लाना मना किया गया।

(2) अपने वंश का सदाचार बनाओ और दान लेने से ब्रह्म तेज नष्ट होता है।

(3) गीता, गायत्री, गौ, और गंगा की रक्षा तथा पूजा कर परशुराम जी ने सिखाया।

(4) सभी भूमि परशुराम जी ने कपटी राजाओं से छिन महामुनि कश्यप को दान में दे दी, उन्होंने सब ब्राह्मण वंश को जमीन बाँट दी।

(5) भगवान परशुराम जी ने 21 बार ब्राह्मण वंश को राज दिया।

(6) भगवान चिट जीवी हैं आज भी तपस्या कर रहे हैं। सबने गुरू जी के भाषण को सुना और प्रतिवर्ष तीन महान मोहयाल विभूतियों को जन्म दिन मनाने का प्रण लिया।

बावा वीरम जी की जय, भगवान परशुराम जी की जय और महान शहीद वैरागी की जय से सब वातावरण गूंज उठा। एक मई एक बजे से चार बजे तक लंगर जारी रहा। गुरू जी ने 100 भगवान परशुराम की फोटो वितरण की।

सेवक–श्री शिव देव दत्त, श्री रमेश जी सूदन

माता की चौकी

दिनांक 10 मई, 2014 को मोहयाल भवन इन्द्रपुरी, नई दिल्ली के हाल में श्रीमती रोमी छिब्बर एवं श्रीमती कान्ता बाली की मुख्यता में

ई.जी. ब्लाक मोहयाल भवन गली समूह कि महिलाओं द्वारा माता की चौकी का आयोजन किया गया। माता के दरबार में माथ टेकने के लिए जी.एम.एस. महिला विंग की सेक्रेटरी श्रीमती सुनीता मेहता छिब्बर जी को भी आमन्त्रित किया गया था। इस अवसर पर श्रीमती रोमी छिब्बर ने जी.एम.एस. के सभा फंड में 501 रुपए भेंट किए।

–रोमी छिब्बर, कान्ता बाली
ई.जी. 17, मोहयाल भवन गली इन्द्रपुरी, नई दिल्ली

मोहयाल सभा फरीदाबाद ने बीस अप्रैल चौदह को बच्चों का टैलेंट प्रोग्राम बड़े हर्षोल्लास से मनाया

मेरे को कुरूक्षेत्र में जब यह पता चला की मोहयाल भवन फरीदाबाद में बच्चों का डांस और गाने का प्रोग्राम 20.04.2014 को मोहयाल सभा फरीदाबाद में है तो मैं यह प्रोग्राम छोटे बच्चों को देखने फरीदाबाद आया, तो मुझे यह प्रोग्राम बहुत ही अच्छा लगा तो मैंने अध्यक्ष श्री रमेश दत्ता जी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.एस. मेहता को इसके लिए बहुत–बहुत शुक्रिया अदा किया।

–आर.डी. मेहता, *भूपूर्व अध्यक्ष एम.एस. कुरूक्षेत्र*

दुखद समाचार

उपरोक्त कार्यक्रम के पश्चात श्री आर.डी. वैद जी का दिनाँक 8 मई 2014 को अकस्मात निधन हो गया, वे श्री सुरजीत सिंह मेहता, सीनियर वाइस प्रेजीडेंट मोहयाल सभा फरीदाबाद के मामाजी थे। इस दुखद समाचार पर श्री सुरजीत मेहता ने जी.एम.एस. को 250 रु. विधवा फंड के लिए दान दिए।

जन्मदिन पर बधाई

मोक्ष छिब्बर सुपुत्र श्रीमती कंचन छिब्बर व श्री पंकज छिब्बर पौत्र श्रीमती स्नेहलता छिब्बर व श्री रामस्वरूप छिब्बर निवासी 276 प्रेम नगर, अम्बाला शहर के पहले जन्मदिन 25.02.2014 पर इनके दादा व दादी जी ने 501 रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व 201 रु. जीएमएस के वृंदावन लंगर फंड हेतु भेंट किए। छिब्बर परिवार को इस शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई।–*पंकज बाली, जीएमएस मैनेजिंग कमेटी सदस्य व महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला।*

सातवीं वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

श्रीमती इन्दू बाली व श्री पंकज बाली निवासी 43 प्रेम नगर अंबाला शहर की 7वीं वैवाहिक वर्षगांठ 14 अप्रैल 2014 पर इनके दादी जी श्रीमती शकुन्तला बाली पति स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली व पापा–मम्मी श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्रपाल बाली ने 151 रुपए मोहयाल सभा अम्बाला शहर व 151 रु. स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली मैमोरियल विधवा फंड ट्रस्ट जीएमएस में भेंट किए।
–शिवराजन दत्ता, कोषाध्यक्ष मोहयाल यूथ विंग अम्बाला,
मो.: 9671112496

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 4 मई 2014 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 22 भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद–

शोकः प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की माता श्रीमती कमलेश दत्ता का निधन 30 मार्च को एवं तपस्या वैद जिनके पति श्री राकेश वैद का अकस्मात् निधन हुआ। बिरादरी के सभी भाई–बहनों ने दो मिनट का मौन रखकर देवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की।

रायज़ादा के.एस. बाली ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। सभी ने 27 अप्रैल को बच्चों के प्रोग्राम की प्रशंसा की तथा प्रोग्राम में जो कुछ कमियाँ लगी उन्हें सभी को अवगत करवाया।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को अवगत करवाया कि जून महीने में मीटिंग नहीं होगी। दसवीं एवं बारहवीं के छात्र–छात्राओं जिन्होंने वार्षिक परीक्षा दी है उन्हें अच्छे अंक प्राप्त करने की शुभ कामनाएं दी। अतः प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा, अतः मोहयाल बहन भाईयों से आग्रह किया गया कि अपने आसपास के सभी मोहयाल प्रतिभाशाली बच्चों को इससे अवगत करवाया जाए।

इस अवसर पर श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न धन राशि सभा के लिए एकत्रित कीः रमेश दत्ता प्रधान मोहयाल सभा फरीदाबाद ने अपनी माता जी स्व. श्रीमती कमलेश दत्ता के निधन पर 1000 रु. की राशि फरीदाबाद मोहयाल सभा को प्रदान की। श्रीमती तपस्या वैद ने अपने पति श्री राकेश वैद जी की याद में 1000 रु., तरूण बाली ने 500 रु., श्रीमती बाला बाली ने 100 रु. सहयोग राशि के रूप में दिए।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि श्री विनय बक्शी जी 30 अप्रैल को एसकोर्टस से रिटायर हो गए हैं। उन्होंने 30 अप्रैल शाम

को अपने सभी बहन–भाईयों एवं रिश्तेदारों को पार्टी दी थी। लेकिन आज की मीटिंग में दोपहर का भोजन भी सभी को करवाया और 250 रु. जनरल मोहयाल सभा को दिए। अतः सभी ने उन्हें आगामी सुखद जीवन की शुभ कामना दी। श्री रमेश दत्ता जी ने आए हुए सभी भाई–बहनों का धन्यवाद करते हुए आगामी मोहयाल सभा मीटिंग 6 जुलाई को मोहयाल भवन में होने की सूचना दी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो. 9999078425*

रायज़ादा के.एस. बाली, *जन.सेक्रेटरी* — *मो. 9899068573*

प्रेमनगर–देहरादून

सभा की मीटिंग 06.04.204 को श्री मनमोहन बाली (वरिष्ठ उप–प्रधान) की अध्यक्षता में अपने निवास स्थान विंग 3, प्रेमनगर में 20 सदस्यों की उपस्थित में हुई। मोहयाल प्रार्थना के बाद कार्यवाही आरम्भ की गयी।

शोक समाचारः हमारी सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री मोहनलाल बाली जी का 31.03.2014 को आकस्मिक निधन हो गया। दिनांक 04.04.2014 को गुरूद्वारा पंडितवाड़ी में अन्तिम अरदास तथा रस्म पगड़ी हुई, इसमें भारी संख्या में रिश्तेदारों, मोहयाल, भाई–बहनों तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने भाग लिया। परिवार की तरफ से 200 रुपए मोहयाल सभा प्रेमनगर को भेंट स्वरूप दिए। सभा में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर प्रभु से प्रार्थना की कि प्रभु उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

हमारी सभा से श्री हर्षवीर मेहता उप–प्रधान, श्री राजेश बाली सचिव तथा श्री उदय दत्ता युवा सदस्य ने वृंदावन में आयोजित हुए मोहयाल युवा शिविर तथा युवा संगोष्ठी में भाग लिया और बैठक में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि युवा शिविर में युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। युवा शिविर की समाप्ति से पहले सभी मोहयाल भाई–बहनों तथा बच्चों को आगरा भ्रमण पर ले जाया गया। सभा के युवा सदस्य श्री उदय दत्ता को जी.एम.एस. द्वारा प्रदान किए गए स्मृति चिन्ह पर बधाई दी गई। वैशाखी के शुभ अवसर पर आपसी मेल व भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभा के सदस्यों को मसूरी भ्रमण पर ले जाया जा रहा है, जिसका सभी ने स्वागत किया। सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री रमेश दत्ता जी ने मसूरी आने–जाने के लिए निःशुल्क बस सेवा एवं भोजन प्रदान करने को कहा। श्री रमेश दत्ता एमएस प्रेमनगर में एक नई रोशनी बनकर आए हैं, इनके आने से सभा में एक नये युग का शुभारंभ हुआ है।

शुभ समाचारः श्री मनमोहन बाली उप–प्रधान जी के घर पौत्र के जन्म पर सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई दी, उन्होंने सभा को 501 रु. और 500 रुपए बालिका विवाह कोष में प्रदान किए। मिष्ठान वितरण कर सबका मुँह मीठा कराया।

उप–प्रधान श्री मनमोहन बाली जी ने उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद किया। जलपान के साथ बैठक का समापन किया गया।

–राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

बैशाखी मिलन समारोह

मोहयाल सभा प्रेमनगर देहरादून के तत्वाधान में 13 अप्रैल को बैशाखी पर्व सभा के सभी सदस्यों ने परिवार सहित पहाड़ों की रानी मसूरी स्थित कम्पनी गार्डन में बड़े उत्साह व सौहर्दपूर्ण माहौल में बनाया। सभा के सभी सदस्य परिवार सहित बस द्वारा प्रेमनगर से मसूरी पहुँचे, कम्पनी गार्डन के हरे–भरे लॉन (गार्डन) में उत्सव का

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आयोजन किया गया, बच्चों व महिलाओं ने सांस्कृतिक व मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन किया। सभा के उपाध्यक्ष हर्षबीर मेहता ने सभा के वयोवृद्ध सदस्य माननीय श्री घनश्याम दत्ता व उनके सुपुत्र रमेश दत्ता जी का स्वागत व आभार प्रकट करते हुए सभी सदस्यों को बैशाखी की बधाई दी व जीएमएस व कार्यक्रम संयोजक श्री योगेश मेहता जी को सफल आयोजन पर बधाई व धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम संयोजक रिपुदुमन बाली (बोनी) ने कहा कि रमेश दत्ता के अनुरोध पर बैशाखी का यह कार्यक्रम मसूरी में आयोजित किया गया है। तथा कार्यक्रम हेतु बस व भोजन आदि की सभी व्यवस्थाएं भी उन्हीं के द्वारा की गई है। रमेश दत्ता जी द्वारा प्रेमनगर

सभा के सभी सदस्यों का इस कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर भाग लेने हेतु धन्यवाद दिया व खासकर युवाओं को बिरादरी के प्रति प्रोत्साहित करने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन करने की सलाह दी।

दोपहर के भोजन के उपरान्त श्रीमती नीरू छिब्बर व सन्तोष बाली द्वारा बच्चों व युवाओं के साथ खेलकूद, मनोरंजन व संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया। उदय दत्ता व राजेश बाली सचिव द्वारा गार्डन में बच्चों को झूले व नोका–विहार करवाई। सभी बच्चों ने झूलों व बोटिंग का आनन्द उठाया हर्षवीर मेहता द्वारा सभी सदस्यों को तंबोला खिलाया गया।

अन्त में श्री घनश्याम दत्ता जी द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। श्रीमती रश्मि मेहता, पूजा दत्ता व पारवी बाली को म्यूजिकल प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिला, श्रीमती सरोज वैद, रंजनी बाली शालू बाली को मोहयाल गीत प्रतियोगिता में पुरस्कार प्रदान किए गए। युवाओं में ध्रुव दत्ता, अंकूर दत्ता, तुषार दत्ता, मुकुल दत्ता, अनमोल दत्ता (वासू), हार्दिक बाली, कार्तिक बाली, प्रतीक बाली, को दौड़ व चम्मच रेस में पुरस्कार दिया गया।

अन्त में एम.एस. प्रेमनगर देहरादून के सभी सदस्यों व पदाधिकारियों द्वारा वैशाखी उत्सव के सफल आयोजन पर कार्यक्रम संयोजक बोनी बाली, रमेश दत्ता व उदय दत्ता को बधाई व धन्यवाद दिया।

–हर्षवीर मेहता (लौ) *(मो.) 9719266087*

महिला मोहयाल सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 9 मई को दत्ता फूड जक्शंन कृष्ण नगर में हुई। जिसमें सभी महिलाओं ने भाग लिया। सबसे पहले प्रार्थना फिर गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

सविता मेहता जी ने सभा में सबको अवगत कराया कि बच्चों की छुट्टियाँ होने वाली हैं और अगले महिने जून में पिकनिक जाएगें। जिसमें ज्यादा से ज्यादा परिवार भाग लें।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई।

–सविता मेहता वैद, *सचिव (9837511348)*

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की बैठक श्रीमती संगीता दत्ता के निवास स्थान पर हुई। गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की सभा में सभी बहनों ने भाग लिया।

सभा में नये सदस्य बनाए गए सभा में सभी बहनों से अनुरोध किया गया कि जीएमएस की आजीवन सदस्यता बने, सभी बहनों ने जीएमएस के कार्यों को सराहा।

श्रीमती संगीता दत्ता और उनके पति श्री आर.के. दत्ता ने अपने नये घर बनने की खुशी में स्त्री सभा यमुनानगर को 250 रु. दान दिए, भगवान उनकी दीर्घायु करें।

श्रीमती बाला मेहता जी, श्रीमती भगीरथी बाली जी, श्रीमती विजय लक्ष्मी जी, श्रीमती सुरक्षा मेहता और श्रीमती सुनिता दत्ता ने अपने विचार रखे। जिन बहनों को वित्तीय सहायता जीएमएस द्वारा दी गई, उन्होंने जीएमएस को धन्यवाद दिया।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

–श्रीमती परवीन बाली, *सेक्रेटरी*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 04.05.2014 को सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

मोहयाल सभा लुधियाना द्वारा आयोजित मोहयाल मेले की सभा के सभी सदस्यों ने सराहना की एवं मोहयाल सभा लुधियाना को बधाई दी।

दुखद समाचार– सभा ने श्रीमती राजकुमारी दत्ता अंबाला निवासी जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। श्रीमती राजकुमारी दत्ता सभा के पूर्व मनोनीत जी.एम. एस. सदस्य स्व. श्री मोहेन्दर दत्ता जी की माता जी एवं सभा के वर्तमान यूथ विंग सचिव श्री रोहित दत्ता जी की दादी जी थी।

अंत में प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी ने सभा में आए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। अगली मीटिंग 01.06.2014 को जंज घर माड्रन कॉलोनी में होगी।

-सुरेन्द्र मेहता (छिब्बर), *महासचिव (09355310880)*

अम्बाला छावनी

सभा की मासिक बैठक 4.05.2014 कमांडर पीआर मेहता (से.नि.) स्थान 4 ट्रिब्यून बाग में 13 सदस्यों की उपस्थित में हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्र के बाद, प्रधान कमांडर पीआर मेहता ने उन मोहयाल भाई–बहनों को बधाई दी, जिनका जन्मदिन व शादी की सालगिरह मई महीने में मनायी जाती है। इस सूची में स्वयं कमांडर साहिब जिनका जन्मदिन 14 मई को है, दूसरा एचएफओ, एम.एल. दत्ता जिनका जन्मदिन 15 मई को है, तीसरी सुनील दत्ता 20 मई को जन्मदिन है। पीआर मेहता तथा एमएल दत्ता जी ने मिठाई बांट कर सदस्यों का मुँह मीठा कराया तथा सदस्यों ने ढेर सारी शुभकामनाएं व बधाई दी।

इस शुभ अवसर पर पीआर मेहता जी ने जीएमएस व लोकल सभा को पाँच सौ रुपए प्रत्येक को भेंट किए। एमएल दत्ता जी ने जीएमएस व लोकल सभा को क्रमशः 251–251 रु. भेंट किए।

पिछले मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई गई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। जीएमएस से भेजी गई कैस रसीदें सदस्यों को बांट दी गई। बाकी जो रह गई हैं उनके लिए संपर्क किया जाएगा।

कमांडर (रिटा.) पी.आर. मेहता ने सभा में ऐलान किया कि सभा का प्लाट जो लोगों द्वारा नजायज कब्जा किया हुआ है खाली करवाने के लिए केस पर जो भी खर्चा होगा वह उसे उठाने के लिए तैयार हैं यदि केस सफलता पूर्वक सभा के हक में होता है तो सभा इस खर्चे को धन्यवाद के साथ लौटा देगी। इस विषय पर सभी सदस्य वी.के. वैद के बेटे (जो वकील है) के साथ संपर्क करने के लिए मशविरा किया। मोहयाल मित्र न मिलने की शिकायत पूर्णतया हल नहीं हुई।

श्री एस.के. मेहता नं46 दिनेश नगर बब्याल व सू. कुलदीप मेहता को इस वर्ष फरवरी से कोई मोहयाल मित्र नहीं मिली। श्री संजीव दत्ता निवास डब्ल्यू ज़ेड 537, तृतीय मंजिल, गली नं28, शिवनगर, न्यू दिल्ली–110053 ने 200 रु. जीएमएस को मोहयाल मित्र फीस दी जो जीएमएस भेज दी गई है। प्रधान जी ने सब शामिल सदस्यों का धन्यवाद करते हुए सभा की समाप्ति की।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*

उत्तम नगर

उत्तम नगर मोहयाल सभा की मई मास की मीटिंग 4.05.2014 को एफ–30, ओम विहार श्री सुशील दत्ता एवं श्रीमती तमन्ना दत्ता के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। इसमें 14 सदस्यों ने भाग लिया।

श्री दिनेश लौ, नवनीत मेहता तथा उनकी माताजी श्रीमती आशा मेहता के सभा में पहली बार पधारने पर सब सदस्यों की ओर से उनका स्वागत किया गया तथा उन्हें शुभकामनाऐं दी। श्री विनीत बक्शी छिब्बर को सर्वसम्मति से जी.एम.एस. में सभा का प्रतिनिधि निर्वाचित किया गया और उन्हें उत्तम नगर के युवाओं को संगठित करके उत्तम नगर सभा और जीएमएस युवा संगठन के साथ तालमेल रखने का कार्य भी सौंपा गया। कई व्यापार तथा मजदूर संगठनों का सक्रिय कार्यकर्त्ता होने के कारण तथा वृंदावन टूर पर उत्तम नगर सभा के युवाओं का श्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करने को देखते हुए उनकी क्षमताओं पर सन्तोष प्रकट किया गया।

उत्तम नगर मोहयाल सभा की आम मीटिंग के कार्यक्रम को अन्तिम रूप देने के लिए सभी सदस्यों की राय माँगी गई है। सभा की तिथि शीघ्र घोषित कर दी जाएगी। स्वादिष्ट जलपाल के लिए श्री सुशील दत्त तथा श्रीमती तमन्ना दत्त परिवार को धन्यवाद दिया गया।

जून मास की मीटिंग 01.06.2014 को श्री चमनलाल दत्ता जी के निवास स्थान बी–1/81, गली नं. 20, किरण गार्डन में तय हुई।

-आर.के. मोहन, *प्रधान (मो. 9654941010)*

नजफगढ़

मई 2014 मास की बैठक 04.05.2014 को उप–प्रधान विश्वनाथ दत्ता की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता के निवास स्थान रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई। बैठक में 12 बहन–भाई उपस्थित हुए। पिछले माह की कार्यवाही का अनुमोदन हुआ और अप्रैल मास की लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थनाः सेक्रेटरी श्री हर्ष दत्ता ने बैठक में प्रधान कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर के अस्वस्थ होने की सूचना दी। सभी सदस्यों ने प्रधान जी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

सभा के कुछ सदस्यों के भ्रमण के सुझाव को देखते हुए अप्रैल 2014 मास की बैठक में प्रधान जी ने सेक्रेटरी श्री हर्ष दत्ता को संयुक्त भ्रमण की रूपरेखा तैयार करने को कहा। इस कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 04.05.2014 की बैठक में सदस्यों की सहमति से 16, 17 एवं 18 मई 2014 तक हरिद्वार एवं अन्य धार्मिक स्थानों के भ्रमण का कार्यक्रम तैयार किया और इच्छुक यात्री सदस्यों के नाम 08.05. 2014 तक सेक्रेटरी को भेजने के लिए कहा गया। यात्रियों की पर्याप्त संख्या प्राप्त नहीं होने के कारण यह भ्रमण स्थगित कर दिया गया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

उप–प्रधान जी ने सदस्यों से निवेदन किया कि वे अपनी सदस्यता का नवीनीकरण शीघ्र अति शीघ्र करवा लें। इस बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपनी सदस्यता का तुरन्त नवीनीकरण करवा लिया। इस पर प्रधान जी ने प्रसन्नता व्यक्त की।

अंत में सभी सदस्यों ने श्रीमती नम्रता दत्ता एवं श्री हर्ष दत्ता का आवभगत के लिए धन्यवाद किया और एक–दूसरे से विदाई ली। जून 2014 की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में दिनांक 01.06.2014 को प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

-हर्ष दत्ता, *सेक्रेटरी (मो.) 9312174583*

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 10 मई 2014 को जी.एम.एस. सदस्य श्री ऋत मोहन जी के निवास स्थान पर श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वन्दना के पश्चात श्री गुरूदीप सिंह दत्ता जी की माताजी के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। उनका गलौर (रादौर) में देहान्त हो गया था।

पानीपत सभा ने अखिल भारतीय युवा मोहयाल चिन्तन शिविर के सफल आयोजन के लिए जीएमएस को बधाई दी। पानीपत से 10 सदस्य इस शिविर में भाग लेने हेतू गए थे। सदस्यों ने अपने अनुभव मीटिंग में प्रकट किए। सर्वश्री नवीन वैद व जितेन्द्र मेहता जी का कहना था कि यह कार्यक्रम बहुत अधिक कामयाब रहा, हमें सभी युवाओं को अपनी बात कहने का मौका मिला। सर्व श्री विजय मेहता व बृजमोहन छिब्बर जी ने ठहरने व खाने–पीने की व्यवस्था के लिए जी.एम.एस. तथा आश्रम प्रबन्धन की प्रशंसा की। श्री कैलाश वैद व श्री ऋत मोहन सहित सभी सदस्य 27 मार्च को सुबह ही वृंदावन पहुँच गए थे। जहाँ उन्होंने श्री योगेश मेहता व श्री अशवनी बक्शी जी के साथ काम–काज की व्यवस्था में मदद की। श्री नरेन्द्र छिब्बर घुटने में चोट की वजह से इस शिविर में भाग नहीं ले पाए थे।

खन्ना मोहयाल सभा के प्रधान श्री विनोद दत्ता व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता दत्ता जी को डा. मनमोहन सिंह द्वारा सम्मानित किए जाने पर सभा ने बधाई दी।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। मीटिंग आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती सुनीता मोहन व श्री ऋतमोहन जी का धन्यवाद किया गया।

-नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव*

बराड़ा

सभा की मासिक बैठक दिनांक 4.05.2014 को सभा के प्रधान श्री हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता से श्री बलदेव सिंह दत्ता के निवास स्थान बराड़ा में हुई। मोहयाल प्रार्थना के बाद गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया। सभा में लगभग 12 सदस्य उपस्थित थे। सभा में यह अनुरोध किया की भविष्य में अधिक से अधिक महिलाओं को उपस्थित होना चाहिए।

सभा की पिछली महीने की कार्यवाही सेक्रेटरी रविन्द्र कुमार छिब्बर जी ने पढ़ कर सुनाई। भाई लक्ष्मण देव छिब्बर जी की 51वीं वर्षगांठ की फोटो प्रकाशित न होने पर उन्होंने निराशा व्यक्त की। अतः मैं प्रधान जी एवं सभा के सभी सदस्यों ने श्री बलदेव सिंह दत्ता से जलपान का धन्यवाद कहा।

-रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी (मो. 09466213488)*

अच्छे प्राप्तांक

बेबी यशिका बाली सुपुत्री श्रीमती इन्दू बाली व श्री पंकज बाली निवासी 43 प्रेम नगर, अंबाला शहर के कक्षा एल.के.जी. में मैरिट में आने पर इनके दादी जी व दादा जी श्रीमती आशा बाली व श्री विरेन्द्र पाल बाली जी ने एक सौ एक रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व एक सौ एक रु. स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली मैमोरियल विधवा फंड ट्रस्ट जीएमएस में भेंट किए। यशिका बाली पड़पौत्री श्रीमती शकुन्तला बाली व स्वर्गीय अनन्तराम बाली व दोहती श्रीममती उर्मिला वैद व श्री जगदीश लाल वैद व भतीजी श्री अमित बाली व श्रीमती शिप्ता बाली व बहन ध्रुवी बाली की है। हम सभी परिवार वाले भगवान से यही विनती करते हैं कि यशिका बाली हमेशा उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे व बाली परिवार का नाम रोशन करें।*–शिवराजन दत्ता, कोषाध्यक्ष मोहयाल यूथ विंग अंबाला, मो. 9671112496*

'अनमोल वचन'

(1) यदि अपनी गलती को स्वीकार कर लो तो आपमें एक गुण बढ़ जाएगा।

(2) जिस व्यक्ति के भीतर और बाहर एक ही बात है वही धन्य है।

(3) प्रेम की भाषा को बहरे सुन लेते हैं और गूंगे समझ सकते हैं।

(4) विपत्ति के समय पास आकर दुःख बाँटने वाला व्यक्ति लाखों में एक होता है।

(5) झूठ को यदि सच के शहद में लपेटकर भी बोला जाए तो भी झूठ हमेशा झूठ ही रहता है।

(6) मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका अहंकार है। जिसने इस अहंकार को जीत लिया वही सर्वश्रेष्ठ होता है।

(7) दूसरों की बातें सुनने से पहले अपने मन की बात सुने जल्दबाजी में फैसला लेने पर कभी–कभी पछताना भी पड़ता है।

(8) कभी–कभी वस्तु का महत्व इतना नहीं होता जितना देने वाले की मन की भावनाओं का होता है।

(9) जिस व्यक्ति के हृदय में दया नहीं है वह व्यक्ति पत्थर के समान है।

(10) नष्ट हुआ स्वास्थ्य औषधियों से पुनः प्राप्त किया जा सकता है परन्तु नष्ट हुआ समय पुनः प्राप्त नहीं हो सकता। वह सदा–सदा के लिए समाप्त हो जाता है।

*द्वारा–**रंजना छिब्बर** (मो.) 9910695790*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री ब्रजधाम चौरासी कोस यात्रा

मोहयाल आश्रम वृंदावन में भक्तों की खूब आवाजाही रहे उसे मध्यनजर रखते हुए मैं ब्रज चौरासी कोस यात्रा के बारे में अपने पाठको को यात्रा का महत्व एवं प्रतिदिन के प्रोग्राम से अवगत कराना चाहता हूँ।

यदि कोई भक्तगण इस 84 कोस की यात्रा करने का इच्छुक है वे कृपया हमसे संपर्क करें हम उनकी पूरी सहायता करेंगे।

-कामरान दत्ता, *208 डिफेंस इस्टेट आगरा–282001*
मो.: 9897931916

'श्री ब्रज चौरासी कोस यात्रा'
कुण्ड कुण्ड पावन परम, पावन जमुना नीर,
दर्शन करि ब्रजधाम के, होत है सफल शरीर।

यात्रा का महत्व-'ब्रज चौरासी कोस' यात्रा का महत्व स्वयं ब्रह्मा जी ने किया है। स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने नन्द बाबा यशोदा मईया एवं समस्त ब्रजवासियों को यह यात्रा कराई। चौरासी लाख योनियों से मुक्त होने के लिए ही 'ब्रज चौरासी कोस' की यात्रा की जाती है।

यात्रा प्रातः 7:30 बजे 'मोहयाल आश्रम वृंदावन से प्रारम्भ होगी। यात्रा में सभी श्रद्धालुओं को रहने, खाने व गाड़ियों से यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम इस प्रकार है–

प्रातः 6.00 बजे सुबह की चाय– 7.00 बजे नाश्ता
दोपहर का भोजन यात्रा के स्थान पर ही करवाया जाएगा।
शाम को वापिस आने पर चाय की व्यवस्था।
8:30 बजे रात्रि का भोजन।

यात्रा का दिग्दर्शन-

पहला दिन-प्रातः 8.00 बजे 'श्री बाँके बिहारी जी मन्दिर' से यात्रा का शुभारंभ। केशीघाट पर श्री यमुनाजी पूजन एवं यात्रा का संकल्प। श्री ब्रह्माण्ड घाट, बल्देवजी, रावल (राधा रानी का जन्म स्थान) चन्द्रावली, गोकुल, महावन, रमणरेती, लोहवन।

दूसरा दिन- श्री भतरोड बिहारी, अक्रूर घाट, पागल बाबा, बिरला मन्दिर, जन्मभूमि, द्वारिकाधीश, भूतेश्वर महादेव, ध्रुवटीला, मधुवन, कुमुदवन, शान्तनुकुण्ड एवं बहुला वन बाटी दर्शन एवं वृंदावन विश्राम।

तीसरा दिन- श्री राधारानी जी की ननिहाल (मुखराई), राधाकुण्ड, श्यामकुण्ड, कुसुम सरोवर, नारद कुण्ड, चन्द्र सरोवर, गोविन्द कुण्ड, पूछरी लौठा, जतीपुरा, दानघाटी, मानसी गंगा, चकलेश्वर महादेव, लुकलुक दाऊजी व नीमगाँव मन्दिर दर्शन।

चौथा दिन- डीग महल, लक्ष्मण मन्दिर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, लक्ष्मण झूला, हर–की–पौडी हरिद्वार, चरण पहाड़ी दर्शन एवं वृंदावन विश्राम। (यह सभी तीर्थ ब्रज में ही स्थित हैं)।

पाँचवा दिन- भोजन थाली, फिसलनी शिला, विमल कुण्ड कामेश्वर, श्रीवृन्दादेवी, गोविन्द देव जी, मदनमोहन जी, गोकुल चन्द्रमाजी एवं श्री नागाजी की झाड़ी, कदम–खण्डी।

छठा दिन- चित्र विचित्र शिला, देव कुण्ड, प्रेम सरोवर, संकेतवन, वृषभानु कुण्ड, पीली पोखर, गहखन, जयपुर मन्दिर राधारानी मन्दिर दर्शन।

सातवाँ दिन- नन्दगाँव, बरसाना, टेर कदम्ब, पावन सरोवर, कोकिलावन, गोमती कुण्ड द्वारकापुरी, ऐंचादाऊपी, अक्षयवट, मानसरोवर, बंशीवट, तुलसी–शालिग्राम एवं श्री राधाकृष्ण विवाह स्थली, श्री भाण्डीर वन।

''माँ''

माँ ही इस धरती का सबसे बड़ा स्वर्ण है। माँ ही इस शिशु की प्रथम पाठशाला है। माँ ही इस धरती पर परमात्मा के समान है। यह माँ ही है जो अपना सारा जीवन अपने पुत्र–पुत्रियों के लिए अर्पित कर

देती है। यह माँ ही उनके दुःख में पूरी तरह साथ देती है। तन से, मन से, और धन से भी और उससे भी ज्यादा वह अपने जीवन को न्यौछावर करके भी पुत्र/पुत्री का सुख हमेशा ही देखना चाहती है। एक भी माँ अपने पुत्र–पुत्री को दुख में नहीं देखना चाहती है। हर एक माँ की पहली और आखिरी अभिलाषा अपने पुत्र–पुत्रियां का सुख ही होता है।

माँ की आँखों में उसके पुत्र–पुत्री की छाया ही हमेशा तैरती रहती हे। अपनी पूरी उमर में माँ हमेशा ही अपने बच्चों का कल्याण करती रहती है। बूढ़ी होने पर या अशक्त होने पर भी वह अपने बच्चों की आश्रित नहीं होना चाहती है परन्तु ऐसा हो सकता है कि लाचारी की हालत में ऐसा उसे करना पड़े। उसकी इस हालत में 70 से 80 प्रतिशत तक पुत्र अपनी माँ का कितना बुरे तरीके से तिरस्कार करते हैं बदसलूकी करते हैं, असम्मान करते हैं यह किसी से भी छिपा हुआ नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर माँ का जीवन तो नरक बन जाता है यदि माँ शारीरिक रूप से भी अशक्त है तो उसके जीवन को मृत्यु समान बना दिया जाता है और अपनी आखिरी साँस तक उस माँ को तिरस्कार, अपमान तथा नरक का जीवन जीना पड़ता है।

सही बात यह है कि यही माँ वह शक्ति रूप है, जिसने उस पुत्र–पुत्री को संजीवनी का रस पिलाया था उसके जीवन में फूल हों फूल खिलाए थे उसके जीवन में बहारें ही बहारें ला दी थी, अपने आप दुख झेलकर भी उसने अपने पुत्र–पुत्री को पढ़ाया लिखाया था, उसे समर्थ बनाया था आज ये बच्चे जिस भी ऊँचाई पर हैं वह सभी इसी माँ के त्याग, बलिदान तथा तपस्या के कारण ही है।

इसलिए प्रार्थना की जाती है कि अपनी माँ के जीवन को खुशियों से भर दें। उसको इस कदर खुशहाल रखे कि वह खुश होकर आप पर आशीर्वादों की बौछार कर दे और आपका जीवन हमेशा ही बसन्त के उत्सव का आभास कर दे। इसीलिए आज ही संभल जाओ और समझ लो कि यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो भाई बारी तो आपकी भी आने वाली है। हो सकता है कि आपका पुत्र भी वैसा ही बर्ताव करे जैसा कि आपने अपनी माँ के साथ किया था।

विशेषः क्या आप ऐसा ही चाहते हैं?

–विनीतः– ***नरेन्द्र लव,*** *शाहदरा दिल्ली (मो. 9911564481)*

भूल सुधार

मोहयाल मित्र अप्रैल 2014 के पृष्ठ संख्या 45 में श्री राम प्रकाश मेहता जी की प्रथम पुण्य–तिथि वाले पैराग्राफ में भाई श्री प्रदीप कुमार, जीजी–सर्व श्री दिलबाग राम मेहता व श्री पुविन्द्र बाली तथा पौत्र मास्टर–योगिता का नाम रह गया था।

–नरेन्द्र छिब्बर, पानीपत

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री मोहनलाल बाली जी का स्वर्गवास

श्री मोहनलाल बाली (सुपुत्र स्व. मंगल सैन बाली) जी का 31 मार्च 2014 को पंडितवाड़ी, देहरादून में स्वर्गवास हो गया। इनका उठाला (रस्म पगड़ी) दिनांक 04.04.2014 को पंडितवाड़ी गुरूद्वारा में हुआ। जिसमें भारी संख्या में रिश्तेदारों मोहयाल, भाई–बहनों तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने भाग लिया। परिवार की तरफ से 200 रु. मोहयाल सभा प्रेमनगर को भेंट स्वरूप दिए।

स्व श्री मोहन लाल बाली मधुरभाषी तथा कर्मठ, मेहनत करने वाले मोहयाल थे। वे सबके दुख–सुख में शामिल होने वाले मोहयाल थे।

स्व. मोहनलाल बाली जी अपने पीछे माता श्रीमती विद्यावन्ती बाली सुपुत्र दीपक बाली, सुपुत्री प्रीति, श्रीमती नीता बख्शी, दामाद श्री विजय बख्शी, नाती ह्रयदेश नातिन ऐश्वर्या बक्शी, बहने श्रीमती श्रद्धा मेहता, श्रीमती कमलेश दत्ता, जीजा श्री बालकृष्ण दत्ता, श्रीमती सरोज दत्ता, जीजी श्री जगदीश दत्ता, श्रीमती बृजमोहिनी दत्ता, जीजा श्री प्रवीन दत्ता, श्रीमती मीना दत्ता, जीजा श्री शम्मी दत्ता, श्रीमती सुमन मेहता एवं श्री राजेन्द्र मेहता छोड़ गए हैं। स्व. श्री मोहनलाल बाली जी धर्मपत्नी श्रीमती प्रवीन बाली को समस्त परिवार की देखभाल सौंप कर प्रभु चरणों में जा विराजे!

मोहयाल सभा प्रेमनगर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना करती है।

–राजेश बाली, *सचिव एमएस प्रेमनगर (मो. 9758135583)*

श्रीमती रीना वैद का स्वर्गवास

बड़े दुःख के साथ आपको सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नी श्रीमती रीना वैद पति श्री सुभाष वैद का स्वर्गवास 25.04.2014 को हो गया था। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। श्री सुभाष वैद जी (मो. 9837039203) ने 1100 रुपए जीएमएस को भेंट किए।

–मनोज वैद–पुत्र, पूजा दत्ता एवं श्री बीनू दत्ता–पुत्री व दामाद

अनथक कर्मयोगी शांत हो गए

श्री नन्दकिशोर दत्ता सुपुत्र स्वर्गीय श्री सुन्दरदास दत्ता जी का निधन 23 मार्च 2014 को फरीदाबाद में हुआ। इनकी रस्म पगड़ी 25 मार्च को लक्ष्मी नारायण मन्दिर में हुई। जहाँ परिवार सहित अन्य लोग भी शामिल हुए।

स्वर्गीय नन्दकिशोर दत्ता जी अपने पीछे अपनी पत्नी श्रीमती सुशीला दत्ता, बेटा महिन्द्र दत्ता व बेटियां श्रीमती सन्तोष बाली व श्रीमती पूनम छिब्बर को छोड़ कर चले गए। कुछ साल पहले उनकी बेटी शिवाली बाली व बेटा राजेश दत्ता इस दुनिया से जा चुके हैं।

आप एक ऐसे कर्मयोगी थे जो अपने जीवनकाल में अपने बारे में कम सोचते थे दूसरों का चिन्तन ज्यादा करते थे। परिवार की तरफ से उनकी स्मृति में 1000 रु. जीएमएस को भेंट किए।*–सुनीता दत्ता (बहू) फरीदाबाद*

मोहयाल सभा आगरा के हंसमुख, समाज सेवी, निष्ठावान, अनुभवी अध्यक्ष सर्वश्री केवल किशन बक्शी (छिब्बर) जी के निधन सत्ताईस अप्रैल, चौदह को आगरा मोहयाल सभा के लिए बड़ी क्षति

मोहयाल सभा आगरा की एक विशेष सभा (शोक प्रार्थना) में स्व. श्री के.के. बक्शी जी अध्यक्ष एमएस आगरा के निधन पर सभी सदस्यों द्वारा गहरा शोक प्रकट किया गया। स्व. श्री केवल किशन बक्शी पुत्र श्री इन्द्रनाथ छिब्बर पूर्व निवासी रावलपिंडी (पाकिस्तान) ने अपने जीवन काल में हुब्बलाल माथुर वैश्य इंटर कॉलेज आगरा में अध्यापक के रूप में कार्य किया एवं एन.सी.सी. के मेजर रहते हुए बड़ी लग्न के साथ अपना कार्यकाल पूर्ण किया। साथ ही साथ अपने पूरे जीवन काल में समाज को भी अपना सहयोग पूरी लगन के साथ देते रहे।

स्व. श्री बक्शी जी ने मोहयाल सभा आगरा के स्थापना दिवस से ही उपाध्यक्ष का कार्य संभाला और तभी से अपनी सेवाएं सभा को देते रहे। परन्तु श्री कमलेश मेहता जी सचिव आगरा के दो माह पूर्व हुए निधन पर उन्होंने मोहयाल सभा आगरा का अध्यक्ष पद 06.04.2014 को सर्वसम्मति से ग्रहण किया। परन्तु बहुत ही दुख के साथ सूचित करते हुए हमें यह कहना पड़ रहा है कि श्री के.के. बक्शी का आकस्मिक निधन 27.04.2014 को हो गया। उनका निधन सभा के लिए बहुत बड़ी क्षति है और उनकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती है। इस शोक सभा के द्वारा हम सभी सदस्यों ने स्व. के. के. बक्शी की आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की, कि वह उनको अपने चरणों में स्थान दें तथा उनके परिवारीजनों को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखते हुए ती बार गायत्री मंत्र का उच्चारण किया और उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की।*–एस.पी. दत्ता, संयुक्त सचिव, मो. 9897455755*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2014

***For Classes* Secondary *and* Sr. Secondary**
(Mohyal Students)

Eligibilty: 80 percentage and above **Last Date: 31st August 2014**

1. Name: ..... (Caste– Bali, Bhimwal , Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)
2. Mother's Name: ..... (Caste before marriage.....)
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: .....
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	Percentage .....

....

Signature of student **Signature of Mother/Father/Guardian's**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2014 Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Secy. GMS and Convenor Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor